इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लि[illegible] ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ५[illegible] १५६ (१५६)

ग्रंथ नाम म[illegible] पदें
हिंदी पदें.

विषय मराठी काव्य.

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(1)

२९/१ ॥श्रीगणेशायनमः

पद

॥निसीदिन ध्यान ज याचे: जडले हृदई: नाम
॥तयाचे जपता: सुख होये तई: ॥ध्रु॥ मुरगीको
॥मी दिवाकर: तेवि प्रकास सुढाळ: चंद्रकळा ॥
॥वरि काजळिल्या बहु दिप्ति सकळा: मोरवि ॥
॥सेवे छी येले [illegible] तमाल: कस्तुरि केश ॥
॥रनीज [illegible] ॥१॥ कुंडलेन क्षद
॥त्रिमकरा [illegible] : पुढि द्रस्तन म
॥हर: शोभ [illegible] क्षद्र [illegible] पद मा:
॥साजे न ये [illegible] हिन तुपदे
॥ [illegible] ती नमनि: चो॥ निसदीन ध्यान जा
॥या सेको सुनमनि [illegible] सुदरतो: फिले
॥सकटी: केन कम कनु करवी च्या:
॥मा कानि [illegible] : चेचीय लेतनु वरी
॥मा गंध ही: [illegible] नातप हळ स: प
द सय निवटी: ॥३॥ हद थां वरि नै

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

त्र पदघा को ग स्त्री न्ह पदे ... शैं स्वच

॥ धे नैं ज्व ग द दः सं ह ज्यु कहि: ना [illegible]

॥ शा वृ त्तिं गीव द्यै रा जी [illegible] द री: [illegible]

॥ करी नटी [illegible] को नि गठ निगउं

तग ज्ञा पितपदेत दते [illegible] सा सा:

॥ मापीटपदि [illegible] पहा हा ह कु ना स्थिप

॥ को रे त ला: [illegible] नि नोइ रवं [illegible]

॥ नरवी [illegible] वज्व ज्रं उ रे

॥ स्थिन्ह हः प [illegible]

॥ स्थिनम प [illegible] मावं रमल

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(2)

(3)

॥पद॥

॥आधिरियरुनिवेणुकोणावा
॥जुविलानेणु॥धृ॥चलाजाउं
॥जवाळिनहुघाचारिसहदुतोन
॥हघेनु॥१॥अघा॥तोचिग
॥मतपादिरमतकमळज्याअ
॥कमराफ… कखल
॥दनु॥वि… रतउपाणि
॥रदवांदि… कसनकादि
॥कपदतव्ळरणु॥२॥अघ
॥मधुरमधुरगुणागणाअ
॥कणु यदुविरपाळुपिस
॥नवचनमानिनगणु॥
॥शेणचाकितभुतिचवि

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ तै म रा क म ग ु अ म्ह

॥ त्रपेामि-मायेव पा

॥ अघरि ॥ वे ॥

॥ अविघ्नोमंडप[illegible] वांछजन

॥ स्तथा ॥ वे[illegible] वसोधरि नें

॥ दीभ्रा[illegible] १ ॥ देपंडे मे

॥ वटहोचज[illegible] मठरिच्च ॥

॥ रु नैवेघरवयं[illegible] देवीषप

॥ तचीपुकांगमूग ॥ श्रीरामचंद्र,स[illegible]

(५)

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(5)

तुजविन वानिं: आनिका थोरि: तरि
सि हरि जिव्हा सजो ॥१॥ तुजविना
ता: आवडि अनीक: तरि हा मस्तक
कं तंगो मा सा ॥२॥ नेत्री आपी कानें:
पाहे आवजी: जा तें तवि घडि चाळ
निव्हे हे ॥३॥ हात पाय जे पो न चल
ति पंथा: जा वे [illegible] नाग क्षोनिया
॥४॥ तुका ह्म[illegible] वाचुनि कार
॥ न राहे समा[illegible] स्थिर पसि ॥५॥

॥ मुखंय: सर्वे देवानां ह्य प्रभु
॥ चंद्र प्रभ स्तुथी ॥ पिटवांच
॥ नमस्तस्यै विठ्ठलं वे पायक्क
॥ ह्मणे ॥५॥

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

॥ श्री गुरुरामचंद्र गुरुसमर्थ ॥

श्रीरघुपतिनामें मंगलधामें ॥ धृ ॥ श्रीरा
॥ मसीताबसलिवनेरुचलि
॥ जत सेहनुमंतकपिबलि ॥ १ ॥ रघुवी
॥ र तो हे सर्वांचा माय बाप या लाच्या
॥ से मुनिजनरुपा ॥ २ ॥ पति सर्वांचा
॥ हा त्या तुसे सर्व व्यर्थ हा अभिमान घु
॥ रि ॥ ३ ॥ मनों ज्या ... कृपा पुरी
॥ निवारि तो ... सर्वा टाई ॥ ४ ॥
॥ मंगल नाम हे ... जे ध्या मन
॥ शा तो सी समा ... अंतरि ॥ ५ ॥
[redacted]

१ पसासवनेयरावसरस

(6)

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai"

(७) ॥ श्री ॥

॥ श्रीगणेशायनमः श्रीत्रीमत्र्यनाथप्रसं

॥ नऊसंभानीतभाझंभाधान्नमीनाप ॥

॥ कटनाधीआनिस्वीरवाल्मेतानकनिक ॥

॥ कदाहोः नीतभाझेनयेनपाहातित्रीम ॥

॥ ल्मेवहनआनिग [illegible] लेकनकनी

॥ कदालोपानी [illegible] नभिआयकीनि

॥ त्रीमल्मेमुन [illegible] त्रावनकवी ॥

॥ कघहतआनीझभाझेनारोवीछेन

॥ तुकशिवारोआजापिआशान ॥

॥ कनीकचलोभानीतभाझेमसन ॥

॥ कनीत्रीमल्मेमुन्ननिआनीरव

यननानकनिकचहोनाः राभाचसी

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(8)

।नीतमाझेमनःकिंचीमळेगुनखि

।नजब्धनिस्वाजेष्यानजनकेनीकदाहा

।धनीतमाझेकराशीमळेपजापुके

।ध्यनिस्वव्या ... कीकदाहा

।नीतमाझे ... कटीनीशान:

।नःध्यनीस ... कनीकचहो:

।तायैसीमाझीश्रीज्ञिअरा।वकेटप्र।

।पनिगमीहस्तुनगांभीतुजप्रतीमागे

।अतिसेहाश्चकसइमगंब्बवठी:दन्य।

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai. "

(१)

॥आले मी गीभाजाहेजगाजेटीसाग

॥नाताण्दयाच्यखीनभनीत्रीमव

॥नकच्चेशोातिभाजावेकटपतीसाजुके

॥वनाताभकोणागकीयापर्यासाश्र

॥पुर्वदत्नाव कटेरगास्ताउक

॥वनासायार गांगाभ्वनभ

॥वनीपत्रीयाज भेघनतीप

॥कोसागुरुयनाताणकरीतायना

॥दसीनिभावरीवैकुटासीभक्ताच

मैसी
॥नागुकवना।तोपडाकरीताक्तीकीर

॥नशे।दिनमाझेनकजवेकरसे
गगकवना

Rajawade Samshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.
" Joint project of the "

(१०)

॥ गोवींदस्तु नमस्ती अनीकां जगीपा ग

॥ लो ठा । जाहेचीभणोरला ऽ कपनहा

॥ ब्रम्हादीक देव भोजगारे म्हनय

॥ नतो तावकोई [illegible] भोग्या झाहा

॥ वैकुंठगा [illegible] मनसीध्यावय

॥ रीसीरेगं दीसा [illegible] स्पभो ग्याहुप

॥ हापेधलक्ष्मीपुमीसाहीनमाद

॥ नो श्री हरीसौ । मीसात्रो वइ

॥ मी मा झा हाय । अ दीभस्वीघी

Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(११)

।।भ्यासीप्याचासाणोहावेकटया

।।सोस्पामीमप्ता हत्त्या।भ्यागोनी

।।स्कनहरसीमोणा।दोरःया

।।होवेकदे [illegible] मीसाणोस्ट

।।गोविंदसुतसी [illegible] तिरोमा सुतचीव

।।उमनस्कनस्पामीमा।झा।हाउसामग

।।श्रीगणेशायनमः।।६०९

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

रागवेदा (12)

जागता गुरुसेव माल निजागता
गुरुसेव:।।ध्रु।। चुलि माल लगो
रे पानि पानि पानि। जीव।। ज्यो दे
व कुनुडीआन चढावे सो दे है प
निरंजिव।।१।। [illegible] ब्रम्हा पात
वि। दु [illegible] व।। तीन दे
वसी सो [illegible] कु [illegible] न निरंजि
वूं सेव।। [illegible] सं वारी
आन्नसी पुजा [illegible] पुराण
रु चो गान हा रा नो गासीरे
[illegible] धर के मुख पावे।।१।।
फोर फतर घरीय मुमीर त देव
घा ति पेव।। वामे घेति सु कु होग
ती

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

घरनहोरेकुरवाप ॥ १ ॥ फतर
पुजेतुहरामिलतोउजोसक
लग्पाहार: फहतनानकुप्या
कीअलिरै: पीसखातसंसा
र ॥ ५ ॥
थीठलगे[illegible]रे[illegible]पेठनचे टिपा
ठेसीला[illegible]वी[illegible]वीसाचे ॥ १ ॥
हा जिवतु[illegible]याकुळहोतो
दारवविअतापायेमा ॥ सापारा
सुरनरहरिचरनिमीठला: नि
सोदिमसचोघराहेमासी ॥ २ ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ श्रीराम ॥

(१५)

नक्रोनक्रो स्त्रिसंग नाम गरास चर्थः ॥ क्रो
मुकुल लोप रिक्षिती सि आईकुमार ध
गुरु तोसि पारादोन द्यपो षिता यातो ह
अनर्थ मुळो स्त्रिचरत्र वती न० ॥ १ ॥ स्त्रि
मुळे बहुत नारा लिंग पतन संपुरा सत्रिर
पात ब्रह्म यासावि [illegible] ज्ञान वासवास
वी भंगांग [illegible] यावि रो चना
दि पंडु दरारथा० [illegible] अर्जुनासी
पिढि बेजयद्र था [illegible] दरज्ञान नादि
[illegible] रिख्यासी [illegible] निज्ञा करा
साक्रि रला लोप भास्य [illegible] रिवा [illegible] सुग्रिवास
आति अनर्थ [illegible] सोमदंती
लाकुपाट स्वामि [illegible] वधज दासुली
बल्ला अ सं नूदोपसन विचक्रान ला [illegible] य
दसे बाण भोमादि नृप कुलान० ॥ ३ ॥ परम
उग्र तापसी पराशरा [illegible] दिराज्य रूपी [illegible]
गं जो तमादि असंख्यात प्रौढ प्रौढ कुंदमूढ
जलफला रशीय रु वायुप्यार [illegible] अच
ल आसनी दुव दो सांकीत संत वदती अन
नुदीनी ॥ नक्रो० ॥ ४ ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(15)

॥ बाकेनैना जुलुं करेगे मारामेरि ज्यों
॥ नवो ॥ फादाचो लाच्चया पुरा नाः कब
॥ लग सीवे दरजि वें जान : दिल्ल का मैंर
॥ को हि ना जाने जो मी ला सोगु रजि
॥ वो ॥१॥ मीया [illegible] सब को हि क
॥ हुता : वो ता [illegible] वो तो ता मैं रि
॥ कदर न ज्या [illegible] सुख जि ह टि
॥ वो चिरे वा [illegible] ख उा ह य जु
॥ ल फे वा लि ल टि वो ॥२॥ अर हो
॥ न दि कि नारे को न ख उा ह यः कर गं
॥ गे अस्नान वो तं गो रे ह मसा वले
॥ कैं कर मील ना हो यरा ॥३॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(16) ज … केकुट …

॥श्रीरामासौख्येघामारसैख्येघा

॥तु रांकूरमनविस्मामाधअगमान

॥जमाअदीतगरीमासुकिलनमन

॥सीरामाज्ञिस्का मास्नाउनीपद्पै

॥ारीसीगौचमवासै॥१॥आनी

॥मागरीमात्नघीमापचीमाचवदा

॥सीचीकामा [illegible] घीच्याच

॥हिनील [illegible] ठरापमा

॥सौ ॥२॥ [illegible] माजपनाना

॥मापुरावपु [illegible] माआनंदाक

॥वीप्रिभुराव [illegible] न्यादेसीडे

॥मयामासौघामा॥३॥

अच्युतं केशवं रामनारायणं

॥श्रीराम

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai.

(१७)

॥श्रीगणपतिर्जयति॥श्री॥

॥निजदासाचे रक्षण करसि तु बरवे: तु शि
॥येस्तु दरसे करनि हृदइ निजठगवे: अनाथ
॥सिधी बुधि देसि लजु भवघे: करिता प न
॥वं पद सेवा तु वनि तमी भिरवे॥१॥जयजय
॥यजय चंडि जय विख्याति ते: सद्भावे आ
॥रति हे आवावे आरति हे तुज सचराचरा
॥रिते:॥१॥ महई … दुर्गे निर्जरस
॥वरक्षिते: स्व … हा … सिंव्हादि
॥कवच लेना … विग्रह करसि
॥ल तु अनन्ले: … पे मन लागु नि
॥बहु आपे मन … वचिंतनघ
॥उल्हे:॥२॥ अर्चन वंदन पुजन नेमे
॥मि कहि: कहिं हि नुहि सेवन घडले
॥पै नाहि: उदरं अंन्याई मि पडले
॥व वाहि: पदुमानिक जननी तु सुख
॥दुखि पाहि॥३॥ जयजयजय जय चंडि
॥जय पविख्याति ते सद्भावे आरति हे
॥वावे आरति हे तुज सचराचरा तिने
॥१॥ [illegible]

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(18)

मन

॥ बलमान्याज्ञान नित्त घर आयो रेः

॥ रयन अंधारि कठि जो मान्यो रेः ईन

॥ नी अरज मेरि [illegible] नो [illegible] ॥१॥

आन

॥ घडि घडि पल [illegible] ल या दतु म्हारे

॥ वः लगभा [illegible] यान खला ॥१॥

॥ पारासर वे [illegible] रहारे साहेब वो

॥ तुमपर जिव [illegible] आनाज्या न निन

॥ २ ॥

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(१९)

॥श्रीनवचंडिपन्मः॥

॥सितासितेपितेच्चरनिभिवळवर्लैः रंजि।
॥नरजनितुझेपुजेच्चेसघनेः छुपेमि॥
॥दिपेमंडपश्रुचरच्चनेः तध्रिववम॥
॥नमंल्लोचननबंधनहेकरने॥१॥
॥जयदेविजयदेविजपजनवचंडि।
॥मच्चर्वै [illegible] रजनोवेच्चार।
॥नितुजनंदि [illegible] ॥१॥
॥इरारार दि [illegible] सच्चावाहन।
॥करमिः [illegible] तिचिच्चाकु।
॥हिनेस्पर्धि [illegible] पुनमएमप।
॥कुंच्चस्पजलः [illegible] च्चरमिः धान्ये।
॥पेरनित्वसारनवचितिधरमि।
॥शूाकाळरात्रिपुजनेतुझेच्चेवहरने।
॥च्चविवाहितबाल्लाच्चेनपुजच्चेसप।
॥धनेः करनेविध्विनेदोसमंचेरिपु।
॥कदनेः सुखकरनेदुखहरनेमदना।
॥सुरदम [illegible] ॥३॥ सपरवीनिच्चापाद
[illegible] आपवनिम्मेषम

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे

राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)

दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८

Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com